

Code No.: BFVJ-09

Total No. of Questions : 7

Total No. of Printed Pages : 1

स्नातकपरीक्षा:- २०१५

बि.ए. - विद्वन्मध्यमा - प्रथमवर्षः

शास्त्रम् - जैनसिद्धान्तशास्त्रम्

भागः - II, पत्रिका - III

विषयः - बृहद्रव्यसङ्ग्रहः - I

दिनाङ्कः - 1-4-2015

गरिष्ठाङ्काः - १००

समयः - 10.00 A.M. to 1.00 P.M.

Max. Marks - 100

-
- | | |
|--|----|
| I. सम्यग्दृष्टिजीवस्य संवरपूर्वकं निर्जरातत्त्वम् प्रतिपादयत्। | 10 |
| II. नेमिचन्द्रसिद्धान्त देवस्य देशकालादिकं विचारयत्। | 10 |
| III. ग्रन्थोक्तदिशा भावास्त्रवद्रव्यास्त्रव स्वरूपं विवृणुत। | 15 |
| IV. बृहद्रव्य ग्रन्थस्य मङ्गलपद्यं विलिख्य विशदयत। | 15 |
| V. जिनशासने उत्काः सप्ततत्वानि कानि? तेषां स्वरूपं विवृणुत। | 15 |
| VI. निम्ननिर्दिष्ट छायां विलिख्य अर्थं लिखत। | 20 |
| १. समणा अमणा जेया पंचिंदिय णिम्मणा परे सव्वे।
भादरसुहमेइंदि सव्वे पज्जत् इदरा च।। | |
| २. धम्माऽधम्मा कालो पुग्गलजीवा च सन्तिजावदिये।
आयासे सो लोगो तत्ता परदो अलोगुत्ति।। | |
| VII. एतेषां स्वरूपं विशदयत। | 15 |
| १. अलोकाकाशम्। | |
| २. द्वादशानुप्रेक्षाः। | |
| ३. सप्ततत्वानि। | |